BUSINESS LINE, Delhi, 13.4.2025
Page No. 6, Size:(7.04)cms X (11.43)cms.

Bears have it

CRUDE CHECK. Go short on crude oil futures

Akhil Nallamuthu
bl. research bureau

After witnessing high volatility over the last week, crude oil prices settled marginally lower.

The Brent crude oil futures on the Intercontinental Exchange (ICE) ($64.80/barrel) was down 1.2 per cent. Whereas crude oil futures on the MCX (₹5,302/barrel) lost a marginal 0.2 per cent.

BRENT FUTURES ($64.80)

Brent crude oil futures saw a zigzag movement last week. In the first half, it fell to mark a four-year low of $58.40. But then, it surged back quickly.

However, the contract fell short of surpassing the resistance at $66. So long as the contract lies below this level, there will be a bearish bias.

A resumption in downtrend from the current level can drag the contract to $58 and then possibly to $56.

But if the contract cracks the barrier at $66, it can move up to $69-70.70 price band.

MCX-CRUDE OIL (₹5,302)

The April crude oil futures tumbled to mark a low of ₹4,798 on Wednesday. But there was an intraday recovery where the contract closed at ₹5,302. So, the price level of ₹5,000 is relevant as a support.

However, the contract has resistance levels ahead at ₹5,450 and ₹5,750. Also, the broader bias is bearish.

So, if crude oil futures starts falling again, it can retest ₹4,800. A breach of this can drag the contract to ₹4,700 and then possibly to ₹4,300 if the bears retain the strength.

Trade strategy: Traders can short crude oil futures (April) at ₹5,400 and place a stop-loss at ₹5,550. When the contract declines to ₹5,100, tighten the stop-loss to ₹5,350. Liquidate the longs at ₹4,800. Risk-averse traders can stay out.

INDIAN EXPRESS, Delhi, 13.4.2025
Page No. 13, Size:(19.33)cms X (6.64)cms.

CRUDE WATCH

OIL PRICES DROP OVER TRADE WAR

Houston: Oil prices fell for second straight week on Friday over recession concern sparked by trade war. Brent crude futures were down 25 cents at $63.08 a barrel while US West Texas Intermediate crude fell 30 cents to $59.77. **REUTERS**

DAINIK TRIBUNE, Delhi, 13.4.2025
Page No. 2, Size:(39.34)cms X (19.26)cms.

कल मोदी देंगे हरियाणा को 10 हजार करोड़ से अधिक की सौगात

चंडीगढ़, 12 अप्रैल(ट्रिब्यून)

हिसार में एयरपोर्ट उदघाटन के साथ दूसरे चरण का शिलान्यास भी करेंगे

मोदी हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। पहली ही फ्लाइट रामलला जन्मभूमि अयोध्या के लिए उड़ेगी, जिसे प्रधानमंत्री हरी झंडी दिखाएंगे। हिसार से अयोध्या के लिए सप्ताह में 2 उड़ानें, हिसार-जम्मू, हिसार-अहमदाबाद, हिसार-जयपुर और हिसार-चंडीगढ़ के लिए सप्ताह में 3-3 उड़ानें शुरू होंगी। इसी दिन हिसार हवाई अड्डे के दूसरे चरण का शिलान्यास होगा। दूसरे फेज पर 413 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह चरण 17 अप्रैल, 2027 तक पूरा होगा। इसके तहत 37 हजार 790 वर्ग मीटर का पैसेंजर टर्मिनल, 2 हजार 235 वर्ग मीटर का कारगो टर्मिनल और एयर ट्रैफिक कंट्रोल भवन बनेगा।

रेवाड़ी में 1 हजार 70 करोड़ की लागत से बना 14 किलोमीटर लम्बा बाईपास

रेवाड़ी बाईपास परियोजना का सफल क्रियान्वयन संपन्न हुआ है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर 1069.42 करोड़ की लागत से निर्मित यह 14.4 किलोमीटर लंबा बाईपास अब वाणिज्यिक संचालन के लिए पूर्ण रूप से खोल दिया है। बाईपास न केवल रेवाड़ी शहर के यातायात भार को कम करेगा बल्कि दिल्ली से नारनौल की यात्रा को एक घंटे तक कम करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरियाणा दौरे की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार के स्तर पर तथा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया व प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली संगठन के स्तर पर सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे चुके हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी व सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी व्यवस्था बनाने में जुटे हैं। मोदी डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के मौके पर 14 अप्रैल को हरियाणा को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगात देंगे।

प्रधानमंत्री यमुनानगर और हिसार में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। यमुनानगर में हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की 800 मेगावाट की आधुनिक थर्मल पावर यूनिट का शिलान्यास करेंगे। 233 एकड़ की विशाल भूमि पर बनने वाली इस तीसरी इकाई पर 8,469 करोड़ रुपये का निवेश होगा। 52 माह की समय-सीमा में यह परियोजना पूरी होगी, और मार्च 2029 तक इसका व्यावसायिक संचालन शुरू होगा।

प्रधानमंत्री 'गोबरधन मिशन' के तहत मुकरबपुर में 90 करोड़ की लागत से बीपीसीएल के सहयोग से कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट की आधारशिला रखी जाएगी। 2027 तक पूर्ण होने वाली इस परियोजना की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2,600 मीट्रिक टन होगी।

> "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हरियाणा सरकार केंद्र के साथ मिलकर जनकल्याण की योजनाओं को धरातल पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के लिए विकास का नया सूरज उगाएगा। यह ऊर्जा की अखंड शक्ति और उड़ान की असीम गति के साथ हरियाणा को प्रगति के उस शिखर पर ले जाएगा। जहां हर किसान का खलिहान समृद्धि से भरेगा।" - नायब सैनी, मुख्यमंत्री

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 13.4.2025
Page No. 07, Size:(17.22)cms X (12.89)cms.

राहत है, नहीं बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्रकारों को यह समझाने में बड़ी मशक्कत हुई कि उत्पाद शुल्क बढ़ने से डीजल और पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आएगा। हालांकि इसी क्रम में घरेलू और उज्जवला एलपीजी सिलेंडरों की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दसअसल सवाल यह था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत कम होने के बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि इसका लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा, पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा। लेकिन मंत्री महोदय लगातार यह समझाते रहे कि जब कच्चे तेल की कीमतें अधिक थी तब भी लंबे समय से पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बढ़ीं। यहां तक तेल विपणन कम्पनियों को पूर्व में 28 हजार करोड़ रुपये का नुकसान भी हुआ था। इसकी भरपाई सरकार ने 22 हजार करोड़ का प्रावधान करके किया था। कहा जा रहा है कि अभी 41 हजार करोड़ रुपये का नुकसान तेल विपणन कम्पनियों को हो रहा है। फिर भी डीजल-पेट्रोल की कीमत यथावत है। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि उत्पाद शुल्क से मिलने वाली अतिरिक्त धनराशि से तेल विपणन कम्पनियों के नुकसान की भरपाई हो सकेगी। हालांकि मंत्री जी का यह तर्क भी यथोचित है कि भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम अर्से से नहीं बढ़े। लेकिन पड़ोसी देशों में आज भी कीमतें अधिक हैं।